# मूल्यांकन Evaluation

**Meaning :-** मूल्यांकन का अर्थ है मूल्य + अंकन । अर्थात् मूल्यों का माप। मूल्यांकन शब्द का प्रयोग किसी वस्तु, क्रिया, व्यक्ति या व्यक्ति की उपलब्धियों के महत्व, स्थान या स्थिति को स्पष्ट करने की प्रक्रिया के लिए किया जाता है। मूल्यांकन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा यह निर्धारित किया जाता है कि विद्यार्थियों ने किस सीमा तक अनुदेशनात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति की है। जिसमें मापन (measurement) के अतिरिक्त अनेक विधियों द्वारा एकत्रित आंकड़ो का प्रयोग किया जाता है। यह केवल, बौद्धिक विकास या विषय-वस्तु के ज्ञान की प्राप्ति तक ही सीमित नहीं है बल्कि मूल्यांकन का सम्बन्ध विषय-ज्ञान के अतिरिक्त, अस्तित्व के गुण, रुचि, अभिरुचि आदि से होता है।

**Definitions :-** राईट के अनुसार, "मूल्यांकन एक नई तकनीकी शब्द है। यह ऐसे मापन के लिए प्रयोग किया जाता है जो पुराने परीक्षणों एवं परीक्षाओं से अधिक व्यापक और नया है।"

रॉस के अनुसार, "मूल्यांकन बच्चे का उचित मापदण्ड स्थापित करता है। यह बच्चों का सम्पूर्ण मापन करता है। यह सम्पूर्ण शिक्षा परिस्थितियों का मूल्यांकन है।

कोठारी आयोग (1964-66) के अनुसार, "मूल्यांकन एक निरंतर गतिशील प्रक्रिया है। यह शिक्षा की सम्पूर्ण प्रणाली का अभिन्न अंग है एवं शिक्षा उद्देश्यों से सम्बन्धित है। यह विद्यार्थी की अध्ययन आदतों एवं शिक्षक की शिक्षा विधियों पर प्रभाव डालती है।

## Concept of Evaluation मूल्यांकन की धारणा

(i) मूल्यांकन की प्राचीन धारणा/ संप्रत्यय :- मूल्यांकन की पुरानी (old Concept of Evaluation)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

धारणा सीमित एवं संकुचित थी। यह जीवन के अल्प/थोड़े कार्यों के सम्बन्ध में निर्णय होते थे विशेषकर अस्तित्व के शैक्षिक पक्ष के विषय में। यह मूल्यांकन विषय-वस्तु केन्द्रित होता था। इसका भाव 'उपलब्धि' (Achievement) ही होता था। क्योंकि इसमें बच्चे की अधिगम योग्यता के ज्ञान एवं विषयों के ज्ञान, बुद्धि की परीक्षा होती थी।

(ii) मूल्यांकन की नई धारणा (New Concept of Evaluation) :-

पहले मूल्यांकन विद्यालयी पाठ्यक्रम के उद्देश्यों मापने का प्रयास करता था। विभिन्न प्रकार की तकनीक, विधियाँ पुराने मूल्यांकन के लिए प्रयोग में लाया जाता था अब मूल्यांकन को विद्यार्थियों की योग्यताओं एवं शैक्षिक उद्देश्यों के संदर्भ में, उनकी उपलब्धि एवं उन्नति का अध्ययन एवं निरीक्षण करना माना जाता है।

मूल्यांकन की नई धारणा (B.S. Bloom) ने तीन पक्षों द्वारा समझाया है।

(i) शैक्षिक उद्देश्य (Educational objectives)
(ii) अधिगम अनुभव (Learning Experiences)
(iii) मूल्यांकन के साधन एवं युक्तियाँ (Tools and Devices of Evaluation)

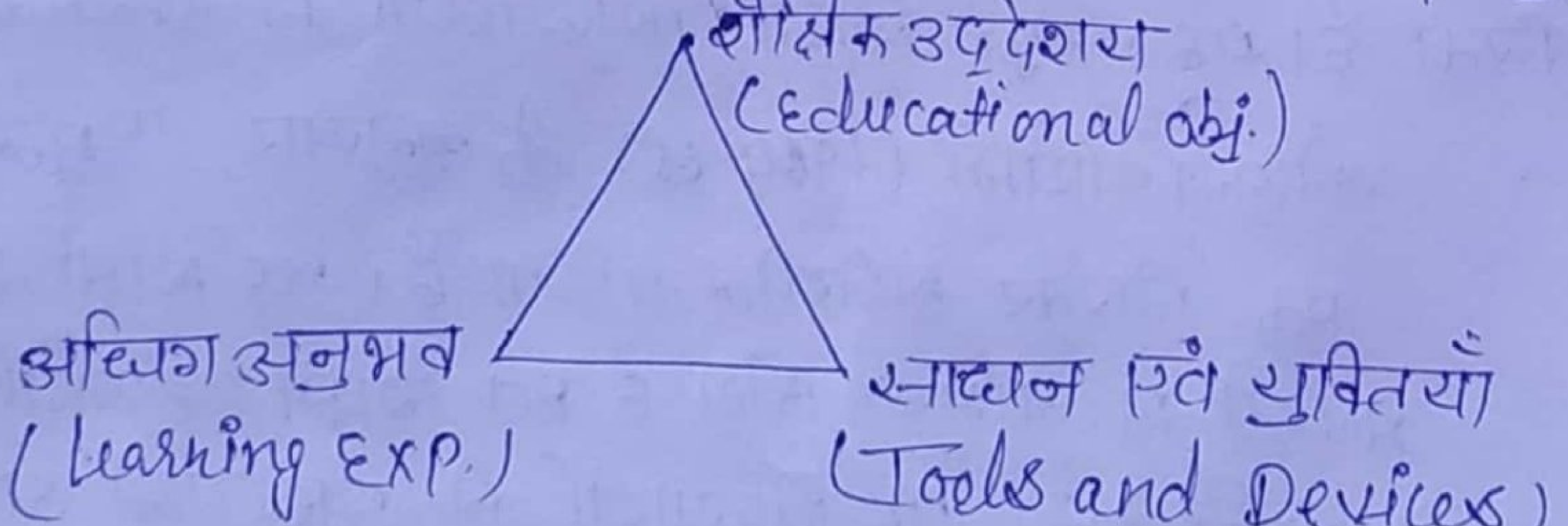


Total scheme of Evaluation
सम्पूर्ण मूल्यांकन विधि

Scanned with CamScanner

## (1) शैक्षिक प्राप्ति का मूल्यांकन (Evaluation of Academic Achievement)

(i) निबन्धात्मक परीक्षाएँ (Essay Type Test
(ii) वस्तुनिष्ठ परीक्षाएँ (objective Type Test
(iii) लघोत्तर परीक्षाएँ (Short Answer Type Test)
(iv) मौखिक परीक्षाएँ (Oral Tests)
(v) विद्यार्थी का दैनिक कार्य (Pupils Day-to-Day work)
(vi) घर का कार्य (Home work and Assignement)
(vii) कौशलों की प्राप्ति का मूल्यांकन (Evaluation of Achievement in skill)

## (2) वैयक्तिक विकास का मूल्यांकन (Evaluation of Personality)

(i) शारीरिक विकास का मूल्यांकन (Eval. of Physical Devlp.)
(ii) सामाजिक विकास का मूल्यांकन (Eval. of social Devlp)
(iii) चरित्र एवं वैयक्तिक विकास का मूल्यांकन (Eval. of character and Personality Devlp.)

## मूल्यांकन की विशेषताएं characteristics of Eval.

**(i) निरन्तरता (Continous):** यह एक निरन्तर गतिशील प्रक्रिया है जो विद्यार्थी की उन्नति के विषय में बोध प्राप्त करने के सभी प्रयासों का प्रयास करती है।

**(ii) गुणात्मक तथा परिमाणात्मक Qualitative and Quantitative:** मूल्यांकन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के उत्पादनों का गुणात्मक एवं परिमाणात्मक विवरण प्रदान करती है।

**(iii) व्यवहार प्रधान Behaviour-oriented:** यह विद्यार्थी एवं उसके व्यवहार की सभी विचार-सीमाओं से

Scanned with CamScanner

सम्बन्धित परिवर्तनों के विषय में ज्ञान प्रदान करता है।

(iv) सम्पूर्ण अस्तित्व से सम्बन्धित :→ Relate with total Personality — मूल्यांकन विद्यार्थी के सम्पूर्ण अस्तित्व से सम्बंधित होता है, भाव, शारीरिक, नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक इत्यादि से।

(v) ब्राह्य क्रियाएं :→ outdoor activites — यह केवल कक्षा - कक्ष तक ही सीमित नहीं होता। यह कक्षा से बाहर घटित होने वाली क्रियाओं की ओर भी ध्यान देता है।

(vi) परीक्षा से अलग Different from examination :→ यह परीक्षा से अलग एवं भिन्न है। परीक्षा शैक्षिक विषयों के लिए प्रयोग की जाती है जबकि मूल्यांकन विद्यार्थी के अस्तित्व में आने वाले परिवर्तनों को अपने अंदर समाहित करती है।

(vii) सहयोगी प्रक्रिया co-operative Process :→ मूल्यांकन एक सहयोगी प्रक्रिया है जिसमें विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक मिलकर भाग लेते हैं।

(viii) शिक्षा प्रणाली में सुधार Improvement in the education system :→ मूल्यांकन शैक्षिक उद्देश्यों एवं अधिगम अनुभवों की प्रभावशीलता का निर्णय करता है इस प्रकार यह सम्पूर्ण शिक्षा प्रक्रिया में सुधार लाने का प्रयास करता है।

## मूल्यांकन की आवश्यकता एवं महत्व (Importance and Need)

(i) क्रमबद्ध प्रक्रिया (Systematic Process) :→ मूल्यांकन एक क्रमबद्ध प्रक्रिया है जो विद्यार्थियों के अनियमित व्यवहार को रोकती है। जिसके द्वारा वे नियन्त्रित एवं अनुशासन में रहते हैं।

Scanned with CamScanner

(ii) **कौशलों में निपुणता का मापन:-** मूल्यांकन के द्वारा शिक्षा के सभी कौशलों में निपुणता का मापन किया जा सकता है। साथ-साथ विषय-वस्तु के अध्ययन में याद कराने के अतिरिक्त, चिंतन, तर्क-शक्ति व सृजनात्मकता को उत्साहित किया जा सकता है।

(iii) **ज्ञान की वृद्धि में सहायक:-** मूल्यांकन विद्यार्थी और शिक्षक दोनों को ही वृद्धि के लिए प्रेरित करता है। यह मानव का प्राकृतिक स्वभाव है यदि उनके कार्य का निरीक्षण न किया जाए तो उसके कार्य में निष्क्रियता उत्पन्न हो जाती है

(iv) **वैयक्तिक शिक्षा में सहायक:-** प्रत्येक व्यक्ति की सीखने की गति अलग-अलग होती है। मूल्यांकन इस गति का अध्ययन करके, उसे अपनी गति के अनुसार सीखने में सहायता प्रदान करता है।

(v) **वर्गीकरण में सहायक:-** मूल्यांकन के प्राप्त अंकों से विद्यार्थी, माता-पिता प्रबंधक एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों को सार्थक एवं स्पष्ट संकेत मिलते हैं।

(vi) **मार्गदर्शन में सहायक:-** किसी भी कार्य का उसके मूल्यांकन के बिना कोई महत्व नहीं है। मूल्यांकन के द्वारा ही विद्यार्थी या शिक्षक के कार्यों का पता लगाया जा सकता है।

(vii) **उपलब्धी एवं असफलताओं का बोध:-** मूल्यांकन के आधार पर ही किसी कार्य या योजना की उपलब्धियों एवं असफलताओं का बोध हो सकता है। मूल्यांकन द्वारा यह ज्ञात हो सकता है कि शैक्षिक उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की प्राप्ति कहाँ तक हुई है।

(viii) **शिक्षण विधियों की उपयोगिता एवं सीमाओं का बोध:-** मूल्यांकन

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

"अर्थ Unit-I
Concept, Nature and Importance"
प्रकृति महत्व



विज्ञान का अर्थ (Meaning of Science) — विज्ञान (Science) शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द "Scire" (verb) से हुई है जिसका अर्थ "To know" (जानना) है और संज्ञा "Scientia" (Noun) का अर्थ है — ज्ञान (Knowledge) है। इस प्रकार विज्ञान का अर्थ हुआ "सार रूप में ज्ञान" या 'क्रमबद्ध ज्ञान का रूप' को विज्ञान कहते हैं।

या

(शब्द का अर्थ) "विज्ञान उस ज्ञान से है जो बुद्धि द्वारा ग्रहण किया जाय और शब्दों के माध्यम से दूसरों तक पहुंचाया जा सके"

विज्ञान की परिभाषाएं
Meaning of Science

(1) एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार — "विज्ञान नैसर्गिक घटनाओं और उनके बीच सम्बन्धों का सुव्यवस्थित ज्ञान है।"

(2) सामान्य अर्थ के अनुसार — "ज्ञान का क्रमबद्ध रूप विज्ञान है" या ज्ञान को विज्ञान कहते हैं
अथवा
"सामान्य ज्ञान का संगठित रूप विज्ञान है। या विज्ञान सच्चाई का संकलन है।"

(3) कार्ल पोपर (Karl Popper) — "विज्ञान निरन्तर क्रान्तिकारी परिवर्तन की स्थिति है और वैज्ञानिक सिद्धान्त तब तक वैज्ञानिक नहीं होते जब तक कि उन्हें आगामी तथ्य प्रमाण द्वारा परिवर्तित न किया जाना निहित नहीं हो।"

आदि —

4- डा० राधाकृष्णन — "विज्ञान लगन है, दिमागी वर्जिश है, मानसिक और अन्वेषण सम्बन्धी परिश्रम है।"

निष्कर्ष ⇒
विज्ञान का व्यापक अर्थ — "किसी भी विषय का ज्ञान, वस्तु का ज्ञान, व्यवस्थित ज्ञान को विज्ञान कहा जा सकता है। विज्ञान का क्षेत्र बहुत विशाल है, यह अनुभवों पर आधारित एक श्रृंखला है जो कि प्रत्ययों एवं सिद्धान्तों के निर्माण का कार्य करती है।

विज्ञान के दो पक्ष होते हैं — (1) स्थिर पक्ष (2) गतिशील पक्ष।
स्थिर पक्ष में — निश्चित तथ्य, नियम, सिद्धान्त, मान्यताएं और विचारधाराओं आदि को शामिल किया जाता है। गतिशील में तथ्यों को निश्चित करने की विधि सम्मिलित है।
... करती है।